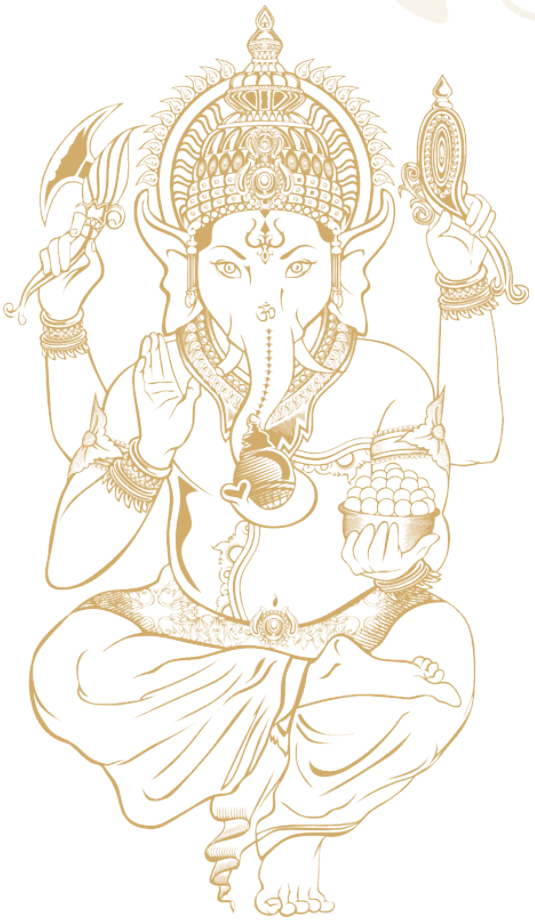

Mr.

02 Nov 1966

04:21 AM

Sitamarhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121634215

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/11/1966**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:21:00 घंटे**
इष्ट	55:59:30 घटी
स्थान	**Sitamarhi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	85:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:33:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल	07:16:06 घंटे
सूर्योदय	05:57:11 घंटे
सूर्यास्त	17:05:53 घंटे
दिनमान	11:08:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:40:36 तुला
लग्न के अंश	23:36:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:36:04	320:53:07	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
सूर्य			तुला	15:40:36	01:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			वृष	26:24:51	12:52:58	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	18:35:23	00:34:59	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	08:23:52	00:34:01	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कर्क	10:28:34	00:03:44	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	13:53:30	01:15:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	00:03:13	00:02:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
राहु			मेष	22:46:25	00:00:40	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	22:46:25	00:00:40	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			सिंह	29:31:19	00:02:54	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
नेप			तुला	28:02:23	00:02:13	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	26:32:51	00:01:33	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			मिथु	24:09:38	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:24

लग्न-चलित

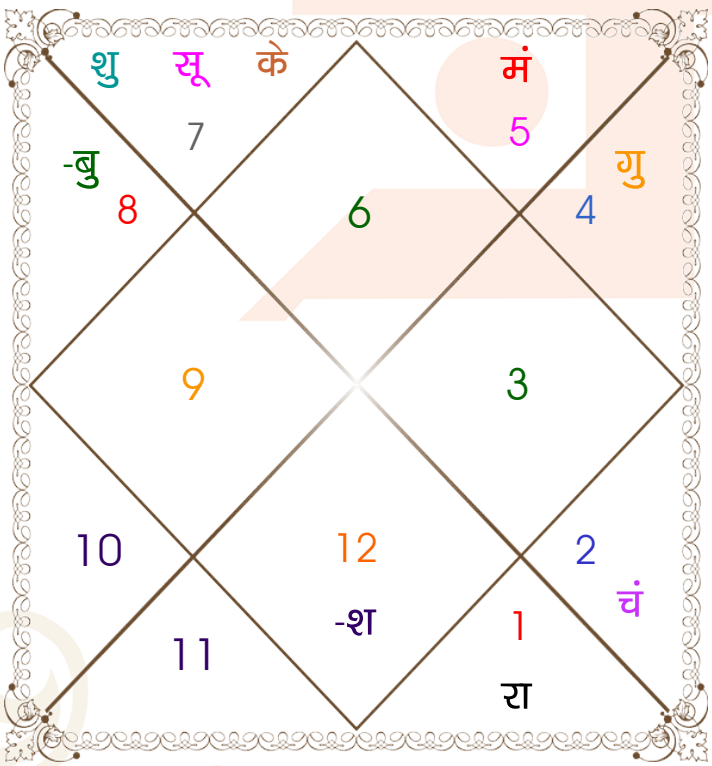

चन्द्र कुंडली

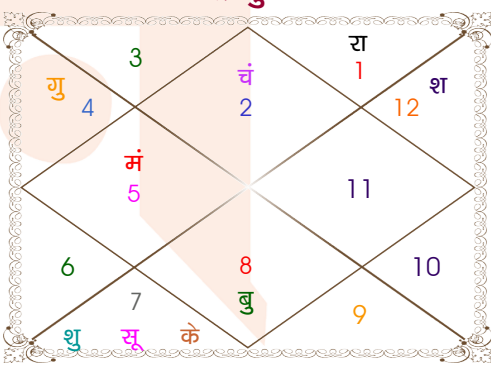

नवमांश कुंडली

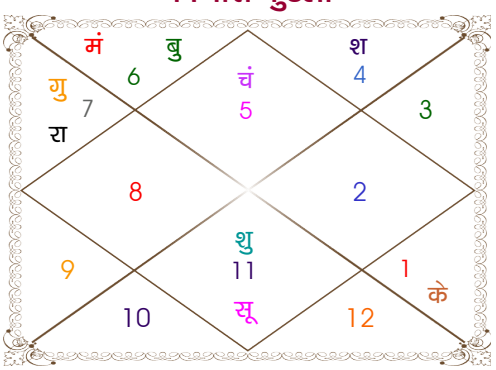

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 4 मास 18 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/11/1966		21/03/1972		21/03/1990		21/03/2006		21/03/2025	
21/03/1972		21/03/1990		21/03/2006		21/03/2025		21/03/2042	
	00/00/0000	राहु	02/12/1974	गुरु	08/05/1992	शनि	24/03/2009	बुध	18/08/2027
	02/11/1966	गुरु	26/04/1977	शनि	20/11/1994	बुध	02/12/2011	केतु	14/08/2028
गुरु	11/08/1967	शनि	02/03/1980	बुध	25/02/1997	केतु	10/01/2013	शुक्र	15/06/2031
शनि	19/09/1968	बुध	20/09/1982	केतु	31/01/1998	शुक्र	12/03/2016	सूर्य	20/04/2032
बुध	17/09/1969	केतु	08/10/1983	शुक्र	01/10/2000	सूर्य	22/02/2017	चंद्र	20/09/2033
केतु	13/02/1970	शुक्र	08/10/1986	सूर्य	21/07/2001	चंद्र	23/09/2018	मंगल	17/09/2034
शुक्र	15/04/1971	सूर्य	02/09/1987	चंद्र	20/11/2002	मंगल	02/11/2019	राहु	05/04/2037
सूर्य	21/08/1971	चंद्र	03/03/1989	मंगल	27/10/2003	राहु	08/09/2022	गुरु	12/07/2039
चंद्र	21/03/1972	मंगल	21/03/1990	राहु	21/03/2006	गुरु	21/03/2025	शनि	21/03/2042

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/2042		21/03/2049		21/03/2069		21/03/2075		21/03/2085	
21/03/2049		21/03/2069		21/03/2075		21/03/2085		00/00/0000	
केतु	17/08/2042	शुक्र	20/07/2052	सूर्य	09/07/2069	चंद्र	20/01/2076	मंगल	17/08/2085
शुक्र	17/10/2043	सूर्य	21/07/2053	चंद्र	07/01/2070	मंगल	20/08/2076	राहु	05/09/2086
सूर्य	22/02/2044	चंद्र	21/03/2055	मंगल	15/05/2070	राहु	19/02/2078	गुरु	02/11/2086
चंद्र	22/09/2044	मंगल	21/05/2056	राहु	09/04/2071	गुरु	21/06/2079		00/00/0000
मंगल	18/02/2045	राहु	21/05/2059	गुरु	26/01/2072	शनि	19/01/2081		00/00/0000
राहु	09/03/2046	गुरु	19/01/2062	शनि	07/01/2073	बुध	20/06/2082		00/00/0000
गुरु	13/02/2047	शनि	21/03/2065	बुध	13/11/2073	केतु	20/01/2083		00/00/0000
शनि	24/03/2048	बुध	20/01/2068	केतु	21/03/2074	शुक्र	19/09/2084		00/00/0000
बुध	21/03/2049	केतु	21/03/2069	शुक्र	21/03/2075	सूर्य	21/03/2085		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 4 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।